विक्रय अनुबन्ध-पत्र निरस्तीकरण
(जो लागू न काट दें)

इस विक्रय अनुबन्ध-पत्र निरस्तीकरण विलेख का निष्पादन श्री/श्रीमती/कु०.....पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री..... निवासी-ग्राम/मोहल्ला.....भवन संख्या.....परगना/वार्ड..... तहसील.....जिला.....जिन्हें इस विलेख में प्रथम पक्ष कहा गया है,

तथा

श्री/श्रीमती/कु० .....पुत्र/पुत्री/ पत्नी श्री ..... निवासी-ग्राम/मोहल्ला.....भवन संख्या.....परगना/वार्ड..... तहसील.....जिला.....जिन्हें इस विलेख में व्दितीय पक्ष कहा गया है, के मध्य.....(स्थान) में आज दिनांक.....को निष्पादित किया गया है।

प्रथम पक्ष एवं व्दितीय पक्ष निम्नलिखित अभिकथन करते हैं:-

1- प्रथम पक्ष ने अपने स्वामित्व की एक कृषि भूमि/भूखण्ड/भवन/दुकान की सम्पत्ति का एक विक्रय अनुबन्ध-पत्र व्दितीय पक्ष के हक में दिनांक.....को निष्पादित करके इसका पंजीकरण निबन्धन कार्यालय में कराया था।

2- उक्त विक्रय अनुबन्ध-पत्र उप निबंधक कार्यालय.....बही संख्या-1 की जिल्द संख्या..... में क्रमांक.....पर रजिस्ट्रीकृत किया गया है।

3- उक्त विक्रय अनुबन्ध-पत्र में पक्षकारों के मध्य सम्बन्धित विक्रयशुदा सम्पत्ति का जो मूल्य निर्धारित हुआ था उसमें से विक्रय अनुबन्ध-पत्र के निष्पादन के समय प्रथम पक्ष को व्दितीय पक्ष से रू०.....अग्रिम धनराशि के रूप में प्राप्त हुए थे।

4- प्रथम पक्ष एवं व्दितीय पक्ष अपरिहार्य कारणों से इस तथ्य पर सहमत है कि प्रथम पक्ष अनुबन्धित भूमि को वापस लेकर उक्त विक्रय अनुबन्ध-पत्र को निरस्त करके उक्त अग्रिम धनराशि व्दितीय पक्ष को वापस कर दे।

अतएव यह विक्रय अनुबन्ध-पत्र निरस्तीकरण विलेख निम्न शर्तों के अधीन निष्पादित किया जाता है:-

क- उक्त विक्रय अनुबन्ध-पत्र को निरस्त किया जाता है।

ख- उक्त विक्रय अनुबन्ध-पत्र में अनुबन्धित सम्पत्ति पर व्दितीय पक्ष का अब से कोई अधिकार या दावा नही रहेगा।

ग- प्रथम पक्ष को उक्त विक्रय अनुबन्ध-पत्र के निष्पादन के समय अग्रिम धनराशि के रूप में दी गयी सम्पूर्ण धनराशि रू०.....व्दितीय पक्ष को वापस कर दी गयी है। अब व्दितीय पक्ष को उक्त विक्रय अनुबन्ध-पत्र में निहित कोई धनराशि पाना शेष नहीं है।

घ- प्रथम पक्ष उक्त विक्रय अनुबन्ध-पत्र से सम्बन्धित सम्पत्ति को जिस प्रकार चाहे अपने उपयोग में लावे व्दितीय पक्ष व उसके उत्तराधिकारियों को कोई आपत्ति नहीं होगी।

अतएव पक्षकारों ने खूब समझ-बूझ कर बिना किसी जोर दबाव के स्वस्थ मन व प्रसन्नचित्त से इस विक्रय अनुबन्ध-पत्र निरस्तीकरण विलेख को निष्पादित कर दिया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे।

अतएव उपरोक्त शर्तों के साक्ष्य स्वरूप दोनों पक्षकारों ने बिना किसी दबाव के तथा स्वस्थ मतिष्क से निम्नलिखित दो गवाहों के समक्ष हस्ताक्षर किये हैं।

साक्षीगण

(1) हस्ताक्षर साक्षी..... हस्ताक्षर प्रथम पक्ष विक्रेता

नाम.....

पिता का नाम.....

पता.....

पहचान का प्रकार/संख्या.....

(2) हस्ताक्षर साक्षी..... हस्ताक्षर व्दितीय पक्ष विक्रेता

नाम.....

पिता का नाम.....

पता.....

पहचान का प्रकार/संख्या.....